प्रधान मंत्री आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban

सत्यमेव जयते

Ministry of Housing and Urban Affairs
Government of India

GLOBAL HOUSING TECHNOLOGY CHALLENGE INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

E-Newsletter-Vol-II

लाइट हाउस परियोजनाएं

28 फरवरी, 2021, नई दिल्ली

"मेरा मानना है कि ये छह परियोजनाएं वास्तव में प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। ये छह लाइट हाउस परियोजनाएं देश में आवास निर्माण को एक नई दिशा देंगे। ये निर्माण समय को कम करेंगे और गरीबों के लिए अधिक आपदारोधी, किफायती और आरामदायक भवन बनाने में सहायक होंगे। एक तरह से, ये परियोजनाएं उद्भवन केंद्र होंगे और हमारे नियोजकों, वास्तुविदों,अभियंताओं और छात्रों को नई प्रौद्योगिकियों के बारे में सीखने और इनका प्रयोग करने की सक्षमता प्रदान करेंगे।"

- नरेंद्र मोदी

टेक्नोग्राहियों के लिए ऑनलाइन नामांकन मॉड्यूल का शुभारंभ

ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज-इंडिया (GHTC-India) के तहत, छह लाइट हाउस परियोजनाओं (एलएचपी), जिसमें भौतिक और सामाजिक बनुयादी ढांचागत सुविधाओं सहित प्रत्येक जगह लगभग 1,000 घरों का निर्माण देश के छह स्थानों अर्थात् चेन्नई (तमिलनाडु), लखनऊ (उत्तर प्रदेश), इंदौर (मध्य प्रदेश), राजकोट (गुजरात), रांची (झारखंड) और अगरतला (त्रिपुरा) पर किया जा रहा है।

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय इन एलएचपीज़ को जीवंत प्रयोगशालाओं के रूप में बढ़ावा दे रहा है, ताकि क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों के पूर्ण पैकेज को हस्तांतरित किया जा सके जिसमें नियोजन, डिजाइन, कॉम्पोनेंट का निर्माण, निर्माण पद्धतियां और परीक्षण शामिल हैं, ताकि सभी हितधारकों जिन्हें टेक्नोग्राही की संज्ञा दी गई है, लाभान्वित हो सकें। इस संबंध में, 16 फरवरी, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, श्री दुर्गा शंकर मिश्र, सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, द्वारा **टेक्नोग्राहियों के नामांकन के लिए एक ऑनलाइन मॉड्यूल** लॉन्च किया गया है।

टेक्नोग्राही नवीनतम और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के परिवर्तन एजेंट हैं जो देश में निर्माण क्षेत्र में इसे अपनाने एवं अधिकतम प्रयोग हेतु प्रौद्योगिकी परिवर्तन लाएंगे। वे **'आत्मनिर्भर भारत'** के विजन को पूरा करने हेतु नए भारत के लिए शहरी परिदृश्य को बदलने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे।

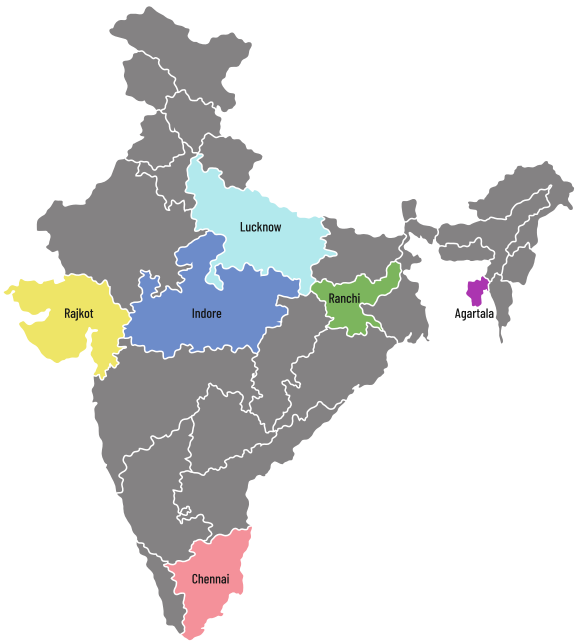

आईआईटी / एनआईटी / इंजीनियरिंग / नियोजन और वास्तुकला संस्थानों के संकाय और छात्र, निजी / सार्वजनिक क्षेत्रों में कार्यरत तकनीकी प्रोफेशनल, चुने हुए प्रतिनिधि, निर्माण एजेंसी / भवननिर्माता / डेवलपर्स, केंद्र / राज्य सरकार के अधिकारी, शोध छात्र, उद्यमी और अन्य संबंधित हितधारकों को टेक्नोग्राही कहा जा सकता है।

सीखने, परामर्श, विचारों की उत्पत्ति और समाधान, प्रयोग, नवाचार और तकनीकी जागरूकता के लिए टेक्नोग्राही इन छह एलएचपी स्थलों को देखने के लिए खुद को नामांकित कर सकते हैं। यह उन्हें निर्माण क्षेत्र में 'मेक इन इंडिया' 'दृष्टिकोण से अपनी आवश्यकताओं के अनुसार प्रौद्योगिकियों को बदलने और अपनाने में सक्षम करेगा।

नामांकन मॉड्यूल के माध्यम से हम एलएचपी और इसकी सूचना प्रसार से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के साथ इच्छुक हितधारकों को भी शामिल करेंगे।

देखें : https://ghtc-india.gov.in/

Scan & Enrol to become
TECHNOGRAHI

संयुक्त सचिव एवं प्रबंध निदेशक (एचएफए) का संदेश
श्री अमृत अभिजात

वर्ष 2021 ने हमें 'सबके लिए आवास' सुनिश्चित करने की दिशा में नई उम्मीदें प्रदान की है। जैसे ही हमने नए साल की शुरुआत की, माननीय प्रधान मंत्री ने देश में छह स्थानों पर लाइट हाउस परियोजनाओं (एलएचपी) की आधारशिला रखी। एलएचपी के शुभारंभ से आने वाले वर्षों में यह प्रौद्योगिकी क्रांति भारत में तकनीकी परिवर्तन की दिशा में एक प्रमुख प्रेरणा साबित होगी।

लाइट हाउस परियोजनाएं 'आत्मनिर्भर भारत'के लिए शहरी बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देंगी। विश्व स्तर पर पहचान की गई छह प्रौद्योगिकियां विश्व स्तरीय नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों की विशेषताओं को प्रदर्शित करेंगी। ऐसे समय में जब भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है, एलएचपी नागरिकों की आवास आवश्यकताओं को पूरा गुणवर्तापूर्वक और तीव्रगति से करने में मदद करेगा।

इसके अलावा, एलएचपी को जीवंत प्रयोगशालाओं के रूप में बढ़ावा देने से बड़े पैमाने पर नागरिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा और नए शहरी भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए हितधारकों के बीच तकनीकी जागरूकता पैदा होगी। मैं इस मंच का उपयोग छात्रों, शिक्षकों, इंजीनियरों, तकनीकी पेशेवरों, निर्माण एजेंसियों, शोधकर्ताओं और अन्य संबंधित हितधारकों से आग्रह करने के लिए करूंगा कि वे आगे आएं और एक सरल ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से खुद को टेक्नोग्राहियों के रूप में नामित करें और भारत में नवीनतम प्रौद्योगिकी प्रचार के परिवर्तन एजेंट बनें।

टेक्नोग्राहियों को एलएचपीपी में नवीनतम प्रोद्योगिकियों के उपयोग के विभिन्न चरणों के बारे में बताने हेतु ऑनसाइट गतिविधियों और तकनीकी कार्यविधि ज्ञान/मॉड्यूल पर ऑफसाइट कार्यशालाओं/ वेबिनार, वेबकास्टिंग, निगरानी के माध्यम से नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों से अवगत कराया जाएगा।

वर्ष 2015 में पीएमएवाई (यू) मिशन की शुरूआत के बाद से लाखों लाभार्थियों का जीवन बदल गया है। पक्के घर लाभार्थियों और उनके परिवारों के जीवन में आशा की नई किरणें लाते हैं। लाखों लाभार्थियों की जीवन परिवर्तन की कहानियां, उनके चेहरे की मुस्कान हमें वर्ष 2022 तक, जब राष्ट्र स्वतंत्रता के 75 वर्ष मनाएगा, अधिक योग्य लाभार्थियों को पक्के मकान प्रदान करने के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक प्रोत्साहन देती है।

मेरी शुभकामनाएं!

ई-न्यूजलेटर और छह स्थल-वार पुस्तिकाओं का लोकार्पण

टेक्नोग्राहियों के लिए नामांकन मॉड्यूल के अलावा, सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा लाइट हाउस परियोजनाओं पर ई-न्यूज़लेटर और छह स्थल-वार तकनीकी पुस्तिकाओं का भी लोकार्पण किया गया।

एलएचपी ई-न्यूज़लेटर के पहले संस्करण में छह स्थलों पर परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी गई। यह छात्रों, तकनीकी संस्थानों के संकाय, हितधारकों और बड़े पैमाने पर लोगों के साथ साझा किए जाने वाले आलेखों और तस्वीरों के माध्यम से परियोजनाओं के बारे में एक विचार देता है। ई-न्यूज़लेटर में प्रत्येक स्थल पर चरण-वार प्रगति और सर्वोत्तम पद्धितियों का वर्णन किया गया है।

प्रत्येक स्थल पर एलएचपी के निर्माण अवधि तक ई-न्यूज़लेटर्स को नवीनतम प्रगति के साथ मासिक तौर पर जारी किया जाएगा। यह एलएचपी वाले राज्यों, निर्माण एजेंसियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा और सभी हितधारकों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान में भी मदद करेगा।

एलएचपी की स्थल-वार पुस्तिकाएं प्रत्येक स्थल पर, इसकी तकनीकी विशिष्टताओं और अन्य विवरणों के बारे में जानकारी साझा करती है। ये पुस्तिकाएं पूरी तरह से लाइट हाउस परियोजनाओं की विशिष्ट प्रौद्योगिकी, सूचना के आदान-प्रदान और संवर्धन के बारे में सीखने में टेक्नोग्राहियों के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम करेंगी। पुस्तिकाएं एलएचपी स्थलों पर चरण-वार निर्माण और सर्वोत्तम पद्धतियों के बारे में गहराई से ज्ञान प्राप्त करने में मदद करेंगी।

पंजीकरण -टेक्नोग्राही

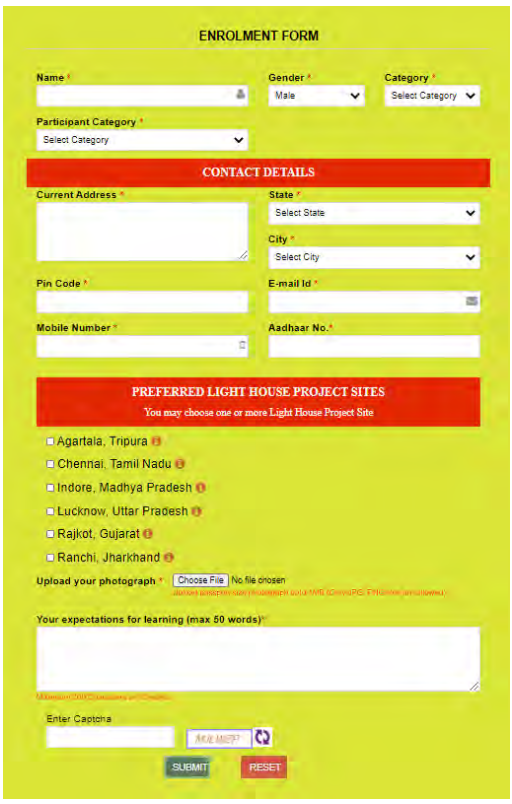

सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, ने चेन्नई और लखनऊ में लाइट हाउस परियोजना स्थलों का दौरा किया एवं कार्य के प्रगति की समीक्षा की

श्री दुर्गा शंकर मिश्र, सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, ने फरवरी 2021 में चल रहे कार्य की समीक्षा करने के लिए चेन्नई और लखनऊ में एलएचपी साइटों का दौरा किया।

1,152 आवासीय इकाईयों (G +5) के निर्माण के लिए चेन्नई में अमेरिका और फिनलैंड की तकनीक 'प्रीकास्ट कंक्रीट कंस्ट्रक्शन सिस्टम' को अपनाया गया है। यह स्थल चेन्नई के पेरुम्बाकम में स्थित है तथा इसका निर्माण एक साल के भीतर पूरा करने की योजना है।

चेन्नई में साइट पर काम की प्रगति से संतुष्ट होते हुए, सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, ने वहां के अधिकारियों और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं से वार्तालाप की । तकनीकी एजेंसी ने यह जानकारी दी कि इस तकनीक से बना एलएचपी सामान्यत: १०० वर्षों तक टिकाऊ बना रह सकता है और यदि रख-रखाव अच्छे तरीके से किया जाए तो ये और कई वर्षों तक टिकाऊ बना रह सकता है।

लखनऊ में अवध विहार में 1,040 से अधिक आवासीय इकाईयों (G +13) बनाए जा रहे हैं। प्री-इंजीनियर्ड स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम के साथ स्टे-इन-प्लेस पीवीसी फॉर्मवर्क, जोकि कनाडा की एक तकनीक है, का उपयोग शहर में आवासों के निर्माण के लिए किया जा रहा है।

सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने आत्मनिर्भर भारत के विचार पर जोर डालते हुए कहा कि इस तरह की नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग के साथ, भारत तेजी से शहरीकरण की भविष्य की निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बेहतर स्थिति में होगा।

लखनऊ एलएचपी स्थल पर कार्य की समीक्षा करते हुए, सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, ने कार्यदाई एजेंसी को निर्देश दिया कि वह काम की गति को बनाए रखे ताकि परियोजना को निर्धारित समय में पूरा किया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह की नई प्रौद्योगिकियां तेजी से शहरीकरण वाले भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को पूरा करेंगी।

सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय को विश्वास है कि टेक्नोग्राही एलएचपीएस के माध्यम से नई प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित होंगे।

यथा 28 फरवरी, 2021 के अनुसार लाइट हाउस परियोजनाओं की प्रगति

चेन्नई, तमिलनाडु, प्रौद्योगिकी का नाम: प्रीकास्ट कंक्रीट निर्माण प्रणाली –प्रीकास्ट घटक

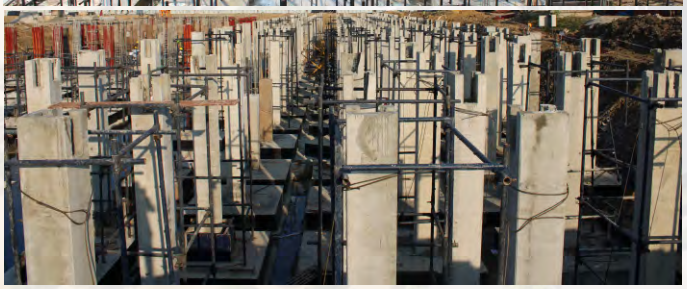

आवासीय इकाईयों की सं.	1152 (जी+5)
ब्लॉक/टावर की सं.	12 ब्लॉक
प्रत्येक ब्लॉक/टावर में इकाईयां	96

गतिविधियां	प्रगति
भवन ब्लॉकों में नींव कार्य	
खुदाई	8 ब्लॉक में पूरा हो गया और 2 ब्लॉक में प्रगति पर है
पीसीसी	8 ब्लॉक में पूरा हो गया और 2 ब्लॉक में प्रगति पर है
आरसीसी फुटिंग/राफ्ट	7 ब्लॉक में पूरा हो गया और 1 ब्लॉक में प्रगति पर है
चबूतरा स्तर तक आरसीसी स्तंभ	3 ब्लॉक में प्रगति पर है

इंदौर, मध्यप्रदेश, प्रौद्योगिकी का नाम: पूर्वनिर्मित सैंडविच पैनल सिस्टम

आवासीय इकाईयों की सं.	1024 (एस+8)
ब्लॉक/टावर की सं.	8 ब्लॉक
प्रत्येक ब्लॉक/टावर में इकाईयां	128

गतिविधियां	प्रगति
भवन ब्लॉकों में नींव कार्य	
खुदाई	सभी 8 ब्लॉक में पूरा हो गया
पीसीसी	सभी 8 ब्लॉक में पूरा हो गया
आरसीसी फुटिंग/राफ्ट	3 ब्लॉक में पूरा हो गया और शेष 5 ब्लॉक में प्रगति पर है
चबूतरा स्तर तक आरसीसी स्तंभ	3 ब्लॉक में प्रगति पर है

लखनऊ, उत्तर प्रदेश, प्रौद्योगिकी का नाम: पीवीसी स्टे इन प्लेस फॉर्मवर्क सिस्टम

आवासीय इकाईयों की सं.	1024 (एस+8)
ब्लॉक/टावर की सं.	4 ब्लॉक
प्रत्येक ब्लॉक/टावर में इकाईयां	ए (494), बी(130), सी(208) एवं डी(208)

गतिविधियां	प्रगति
भवन ब्लॉकों में नींव कार्य	
खुदाई	3 ब्लॉक में पूरा हो गया और शेष 1 ब्लॉक में प्रगति पर है
पीसीसी	3 ब्लॉक में पूरा हो गया और शेष 1 ब्लॉक में प्रगति पर है
आरसीसी फुटिंग/राफ्ट	3 ब्लॉक में प्रगति पर है

यथा 28 फरवरी, 2021 के अनुसार लाइट हाउस परियोजनाओं की प्रगति

राजकोट, गुजरात, प्रौद्योगिकी का नाम: टनल फॉर्मवर्क का उपयोग कर मोनोलिथिक कंक्रीट निर्माण

आवासीय इकाईयों की सं. : 1144 (एस+13)
ब्लॉक/टावर की सं. : 11 ब्लॉक
प्रत्येक ब्लॉक/टावर में इकाईयां : 104

गतिविधियां	प्रगति
भवन ब्लॉकों में नींव कार्य	
खुदाई	5 ब्लॉक में पूरा हो गया
पीसीसी	4 ब्लॉक में पूरा हो गया
आरसीसी फुटिंग/राफ्ट	1 ब्लॉक में पूरा हो गया

अगरतला, त्रिपुरा, प्रौद्योगिकी का नाम: लाइट गेज स्टील संरचनात्मक प्रणाली एवं पूर्व-व्यवस्थित स्टील संरचनात्मक प्रणाली

आवासीय इकाईयों की सं. : 1000 (जी+6)
ब्लॉक/टावर की सं. : 7 ब्लॉक
प्रत्येक ब्लॉक/टावर में इकाईयां : ए (112), बी(154), सी(118), डी(168), ई(168), एफ(168) एवं जी(112)

गतिविधियां	प्रगति
भवन ब्लॉकों में नींव कार्य	
आवासीय इकाईयों की सं. ब्लॉक/टावर की सं. प्रत्येक ब्लॉक/टावर में इकाईयां	स्थल संग्रहण प्रगति पर है

रांची, झारखंड, प्रौद्योगिकी का नाम: प्रीकास्ट कंक्रीट निर्माण प्रणाली –3डी अनुमापी निर्माण

आवासीय इकाईयों की सं. : 1008 (जी+6)
ब्लॉक/टावर की सं. : 7 ब्लॉक
प्रत्येक ब्लॉक/टावर में इकाईयां : 144

गतिविधियां	प्रगति
परियोजना की सांवधिक मंजूरियां	अनुमोदन की प्रक्रिया में वास्तुकला रेखाचित्र

प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्न

लाइट हाउस परियोजनाएं क्या हैं?

लाइट हाउस परियोजनाओं (एलएचपीएस) का मतलब जीएचटीसी-इंडिया के तहत शॉर्टलिस्ट की गई प्रमाणित नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निर्मित की जा रही आवासीय परियोजनाओं से है जो उस क्षेत्र की विविध भू-जलवायु और आपदा की स्थिति के लिए उपयुक्त है। देश के विभिन्न क्षेत्रों यथा चेन्नई, लखनऊ, इंदौर, राजकोट, रांची और अगरतला में छह अलग-अलग प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके प्रत्येक स्थान पर संबंधित बुनियादी ढांचे सहित न्यूनतम 1,000 घरों का एलएचपी के रूप में निर्माण किया जा रहा है। इन्हें लाइट हाउस परियोजनाएं कहा जाता है क्योंकि इनका प्रदर्शनात्मक प्रभाव होगा, जिसमें सभी क्षेत्रों जैसे कि इंजीनियरिंग, योजना, वास्तुकला, शिक्षा के लोग, भवननिर्माता/विकासक, नीति निर्माता इन नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग को देखने और सीखने में सक्षम होंगे।

लाइट हाउस परियोजनाओं का उद्देश्य क्या है?

भारतीय भू-जलवायु और अन्य स्थितियों के अनुकूल नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों, सामग्रियों और प्रक्रियाओं से परिचित कराने, अपनाने और विस्तृत प्रयोग हेतु लाइट हाउस परियोजनाएं शुरू की गई हैं ताकि उन्हें सरकारी और निजी क्षेत्रों के निकायों की अन्य निर्माण परियोजनाओं में निर्माण उपयोग किया जा सके।

परियोजनाएं कब पूरे होंगे?

सभी आवश्यक बुनियादी ढांचों के साथ, लाइट हाउस परियोजनाओं का निर्माण, सभी वैधानिक अनुमोदन प्राप्त करने की तारीख से 12 महीनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

इन लाइट हाउस परियोजनाओं को जीवंत प्रयोगशालाओं के रूप में क्यों बढ़ावा दिया जा रहा है?

लाइट हाउस परियोजनाएं ऑन-साइट और ऑफ-साइट अधिगम के लिए लाइव प्रयोगशालाओं के रूप में काम करेंगी, जिससे क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण और इसकी आगे अधिकतम प्रयोग की सुविधा मिलेगी । इसका उद्देश्य सीखने, विचार-विमर्श, प्रयोग और नवाचार के लिए बड़े पैमाने पर नागरिक भागीदारी और तकनीकी जागरूकता पैदा करना है, जिससे इन वैश्विक प्रौद्योगिकियों को भारतीय संदर्भ में मुख्यधारा में लाया जा सके।

टेक्नोग्राही कौन हैं?

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने स्थल दौरा और ऑफ-साइट कार्यशालाओं/वेबिनार वेबकास्टिंग, तकनीकी जानकारी मॉड्यूल पर सलाह आदि के माध्यम से लाइट हाउस परियोजनाओं में नवीनतम प्रौद्योगिकियों के उपयोग को सीखने में रुचि रखने वाले सभी हितधारकों को टेक्नोग्राही की संज्ञा दी गई है और उनको नामांकित करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया है। टेक्नोग्राही निर्माण क्षेत्र में प्रौद्योगिकी परिवर्तन लाने और देश में इसे अपनाने हेतु बदलाव एजेंट होंगे।वे 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए 'नए शहरी भारत' के लिए शहरी परिदृश्य को बदलने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे।

टेक्नोग्राहियों के रूप में कौन लोग नामांकन कर सकते हैं?

संकाय और शोध छात्र, तकनीकी पेशेवर, केंद्र / राज्य / यूएलबी के अधिकारीगण, निर्माण एजेंसियां, भवननिर्माता /विकासक, स्टार्ट-अप / उद्यमी और अन्य संबंधित हितधारक।

टेक्नोग्राही के रूप में नामांकन कैसे करें?

हितधारक https:// ghtc-india.gov.in/ पर एक साधारण ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से खुद को टेक्नोग्राही के तौर पर बिना किसी शुल्क के नामांकन कर सकते हैं।

स्थल दौरे कब शुरू होंगे?

टेक्नोग्राहियों के लिए स्थलों का दौरा अप्रैल 2021 के मध्य से शुरू होना तय है, जब परियोजनाएं प्लिंथ स्तर तक पहुंच जाएंगी।

एलएचपी साइटों को देखकर टेक्नोग्राहियों को क्या लाभ होगा?

टेक्नोग्राहियों को वास्तविक समय के आधार पर छह एलएचपी साइटों पर नवीनतम निर्माण प्रौद्योगिकियों के उपयोग को सीखने का अवसर मिलेगा। उन्हें एलएचपी शहरों में इन प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों के साथ अन्य आवास परियोजनाओं के लिए भी एक्सपोजर मिलेगा। टेक्नोग्राही अभिनव प्रौद्योगिकियों के परिवर्तन एजेंट होने के अलावा अपनी स्थानीय जरूरतों और संदर्भ के अनुसार प्रौद्योगिकियों का प्रयोग भी कर सकें। साइट विजिट के उपरांत ऑनलाइन मूल्यांकन करने वाले टेक्नोग्राहियों को एक ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा

ये टेक्नोग्राहि जीएचटीसी-इंडिया वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन लर्निंग मॉड्यूल को पढ़ सकेंगे जिसमें तकनीकी सत्र, राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय डोमेन विशेषज्ञों द्वारा ऑडियो विजुअल लेक्चर होंगे। टेक्नोग्राहियों को पूरी परियोजना अवधि में आयोजित विभिभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों, वेबिनार, वेबकास्टिंग में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

सोशल मीडिया कॉर्नर